ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
मोदीपुरम, मेरठ, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-09-2023

मेरठ(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-09-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-09-06	2023-09-07	2023-09-08	2023-09-09	2023-09-10
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	2.0	5.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	34.0	36.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	26.0	24.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	76	79	77	79	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	54	56	57	57
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	7	8	8	6
पवन दिशा (डिग्री)	120	112	75	135	109
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	5	6	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

8 सितम्बर दिनों में गरज, चमक और तेज हवा के साथ हल्कि बारिश की संभावना। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 32.0 से 38.0 व 22.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा|इस दौरान पूर्वाह्न 7.21 को सापेक्षिक आर्द्रता 65 से 80 तथा दोपहर बाद अपराह्न 2.21 को 40 से 60 प्रतिशत रहेगा । हवा 5.0-10.0 किमी/घंटे की गति से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस उत्पादों के अनुसार 8-14 सितम्बर 2023 में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक और वर्षा सामान्य से कम हो सकती है

सामान्य सलाहकार:

गन्ने मे चोटीबेधक, पायरिला, अंकुरबोधक, काला चिकटा, गुरूदासपुर बेधक, सफेद कीटों का प्रकोप दिखायी पड़ता है। अत: फसल का निरीक्षण करप्रकोप दिखते ही रोकथाम के उपाय करना चाहिये।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनो मे मौसम शुष्क रहेगा अत: सभी फसलों व सब्जियों में हल्की सिंचाई करने की सलाह दी जाती है,मेथी ,धनिया और मुली के बोआई के लिए उपयुक्त समय है ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ना	शरदकालीन गन्ना बुवाई के लिए खेतों की तैयारी प्रारम्भ कर दें।शरदकालीन बुवाई हेतु उत्तम

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रजातियाँ जैसे को0-237, को0-235, को0-239, 118 को0जे0 85, को0 98014, को0लख0 94184 की अधिक से अधिक क्षेत्रफल में बुवाई करें। सहफसली खेती आलू, मसूर, मटर, लाही, टमाटर, बैगन, चना इत्यादि में से किसी एक का चुनाव करें। टे"न्च विधि में मसूर की सहफसल खेती सफलता पूर्वक की जा सकती है । गन्ने के साथ सह फसल की बुवाई प्रत्येक दशामें लाईनो में ही करें। शरदकालीन गन्ना बुवाई 15 सितम्बर से प्रारम्भ कर दें। टे"न्च विधि द्वारा गन्ना बुवाई करने पर नाली से नाली की दूरी 120 सेमी0 रखें तथा फरवरी माह में बतायी गयी बुवाई विधि का अनुसरण करें। रेड राट गन्ने की भयानक बीमारी है, अतः रेड राट से ग्रसित झुण्डो को निकालकर जला दें तथा ग्रसित फसल का बीज न बोयें। ऐसे खेतो में एक वर्ष तक गन्ने की फसल न बोये।गन्ने में दूसरी बंधाई इस माह में अवष्य करें।
चावल	धान में नाइट्रोजन की दूसरी और अंतिम टॉप ड्रेसिंग बाल बनने के प्रारंभिक अवस्था में अधिक उपज वाली प्रजातियों में प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्रामनाइट्रोजन तथा सुगंधित प्रजातियों में प्रति हेक्टेयर 15 किलोग्राम नाइट्रोजन की दर से डाले।खेत में टॉप ड्रेसिंग करते समय 2 से 3 सेंटीमीटर से अधिक पानी नहीं होना चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	उकटा रोग अरहर का प्रमुख रोग है ये फसल की सभी अवस्था मे लगता है एसके रोकथाम के लिए फसल खरपरवार रहित होना चाहिए एसके लक्षण दिखने पर पौधे को उखाड़ कर फेक दे या मिट्टी मे दबा दे । या मकड़ीनाशक 0.1 %मात्रा का 10 लिटर पानी मे घोल बना कर 10-15 दिन पर छिड़काओ करे
मूँग	मूंग /उर्द मे फली छेदक कीट की सुड़ियों, जो फली के अंदर छेद करके दाना खाती है कि रोकथाम के लिए निंबोली का 5%या क्यूनफास 25ईसी की 1.25 लीटर मात्रा का प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काओ करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में प्रति हेक्टेयर 200 से 250 कुंटल गोबर की खाद खेत तैयार करने के समय तथा 40 किलोग्राम नाइट्रोजन 60केजी फास्फोरस 40केजी पोटाश अंतिम जुताई से पूर्व खेत में अच्छी तरह मिला दें।
मेंथी	मेथी की अगेती फसल कि बोआई कर सकते हैं इसके लिए प्रति हेक्टेयर 25 किलोग्राम की बीज की आवश्यकता होगी
प्याज	प्याज की खेती के खेत को तैयारी के समय 200 से 250 कुंटल गोबर की खाद डाले । रोपाई के लिए तैयार करते समय अंतिम जुताई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 35 किलोग्राम नाइट्रोजन 50 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश मिलाएं।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	अंडे के लिए नए चूजे द्वारा मुर्गी पालन के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है परंतु बॉयलर के लिए मुर्गी पालें । मुर्गियों के पेट में कीड़ों को मारने की दवाई दे और मुर्गी खाने को सूखा रखें और बिछावन को पलटते रहे मुर्गियों में अधिक नमी हो तो पंखा चलाएं । पानी में क्लोरीन अवश्य दें